15.04.2019

राज एक्सप्रेस

बदल जाएगा यूनिवर्सिटी का 20 प्रतिशत सिलेबस

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी का सिलेबस इस वर्ष 20 प्रतिशत बदल जाएगा। यूनिवर्सिटी समय की मांग और इंडस्ट्री की आवश्यकता के अनुरुप हर एकेडमिक ईयर में सिलेबस में आंशिक बदलाव करती है। यह सतत प्रक्रिया यूनिवर्सिटी में निरंतर जारी है। जानकारी के मुताबिक बोर्ड ऑफ स्टडीज की मीटिंग में विषय विशेषज्ञ, स्टूडेंट्स से लेकर इंडस्ट्री से जुड़े लोग शामिल होते है जहां समय के अनुरुप सिलेबस में क्या बदलाव किया जाना है इस पर चर्चा कर निष्कर्ष निकाला जाता है। कुछ विषय ऐसे होते हैं जिनमें बदलाव संभव नहीं है तो उसमें आंशिक बदलाव की संभावनाएं तलाशी जाती है। यूनिवर्सिटी ने अपने सिलेबस में कितना बदलाव किया है यह नैक में भी बहुत काम आता है।

पढ़ाई के साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें

जानकारी के मुताबिक यूनिवर्सिटी समेत प्रदेशभर की यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को अखिल भारतीय सेवा की प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरुप शिक्षा देने की योजना चल रही है। इसका मकसद स्टूडेंट्स को इस तरह की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। कुछ समय पहले प्रदेश की राज्यपाल ने अपनी बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया था कि प्रदेश में चलने वाले कोर्स का पाठ्यक्रम ऐसा होना चाहिए जिसमें स्टूडेंट्स पढ़ाई के साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के कॉलेजों में चल रहे यूजी स्तर के 25 पाठ्यक्रमों के संबंध में सुझाव प्राप्त करने के लिए विषय विशेषज्ञ समितियों का गठन भी किया था। बैठक के बाद यह बात सामने आई कि सिलेबस में बदलाव होना चाहिए।

इसी सत्र से बदलने की तैयारी

सूत्रों के मुताबिक प्रदेश की यूनिवर्सिटी व कॉलेजों में चलाया जा रहा सिलेबस इसी सत्र से बदलने की तैयारी चल रही है। अब कोर्स को प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरुप बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यूजीसी ने भी पिछले साल निर्देश जारी किए थे कि सिलेबस को हर तीन साल में कम से कम एक बार शिक्षा और वर्तमान आवश्यकताओं के आधार पर रिव्यू किया जाना चाहिए। यह सभी पाठ्यक्रम अंडर ग्रेजुएट लेवल के हैं। उच्च शिक्षा विभाग की तैयारी है कि एडमिशन के पहले ही नए सिलेबस की घोषणा भी कर दी जाए ताकि नए सत्र में किताबों और अन्य सामग्री मिलने में किसी तरह की दिक्कत नहीं आए। संभवतः मई में यह कोर्स वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। हालांकि यूनिवर्सिटी के कोर्स के लिए अलग से तैयारी रहेगी क्योंकि वहां का कोर्स वहां की कमेटियां ही बनाती है इसलिए।

यूजीसी ने कहा था अधिक रोजगार दिलवाने वाले हो

पिछले साल 2018-19 में वार्षिक प्रणाली का दूसरा साल है। इसमें कुल 78 कोर्स के पाठ्यक्रमों को बदला गया था जिसमें अभी फिर से बदले जाने वाले 25 कोर्स शामिल हैं। इसका प्रस्तावित कोर्स अभी फायनल ईयर में तो लागू ही नहीं हुआ और यह 2019-20 में लागू होगा। यदि कोर्स बदलता है तो पुरानी किताबें बेकार हो जाएगी। जानकारों के मुताबिक उच्च शिक्षा विभाग ने 2017 में यूजी के परंपरागत कोर्स बीए, बीकॉम, बीएससी सहित अन्य को वार्षिक प्रणाली में बदल दिया है। यूजीसी ने भी कहा था कि यह परिवर्तन न केवल स्टूडेंट्स बल्कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के हित में होकर स्टूडेंट्स के लिए और अधिक रोजगार दिलवाने वाले होना चाहिए।

यूनिवर्सिटी से संबंधित कॉलेजों के सिलेबस में भी होता है बदलाव

यूनिवर्सिटी हर एकेडमिक ईयर में अपने सिलेबस में 20 प्रतिशत तक बदलाव करती है। इसमें बोर्ड ऑफ स्टडीज की मीटिंग में विषय विशेषज्ञ, स्टूडेंट्स व एक्सपर्ट से चर्चा की जाती है। यूनिवर्सिटी की यह सतत प्रक्रिया है। हम चाहते हैं कि समय की मांग के अनुरुप स्टूडेंट्स को पढ़ाया जाए। यूटीडी का सिलेबस हर साल लगभग 20 प्रतिशत बदलता है साथ ही यूनिवर्सिटी से संबंधित कॉलेजों के सिलेबस में भी बदलाव किया जाता है।

■ डॉ. चंदन गुप्ता, मीडिया प्रभारी, डीएवीवि